which they would be able to secure in competition with other private and public sector engineering organisations in the specialised areas mentioned above.

कुमांऊं और गढ़वाल में उपग्रह संचार प्रणाली सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराना

1554. **श्री हरिशचन्द्र सिंह रावत :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों के नाम क्या हैं जिन्हें उपग्रह संचार प्रणाली से लाभान्वित किया जा रहा है;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश में कुमाऊं और गढ़वाल के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों को इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए कोई योजना उनके मंत्रालय के विचाराधीन है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा)) : (क) लेह एवं ऐजबाल में कार्य पूरा किया जा चुका है तथा स्टेशन वाणिज्यिक प्रयोग के लिए चालू कर दिए गये हैं जबकि अगरतला, कोहिमा, इम्फ़ाल, ईटानगर, गंगटोक तथा श्रीनगर में यह कार्य अभी प्रगति पर है ।

(ख) उपग्रह संचार हेतु चमोली उत्तरकाशी एवं श्रीनगर (गढ़वाल में भू-स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव विभाग के विचाराधीन है ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

उत्तर प्रदेश को केन्द्रीय क्षेत्र से बिजली की सप्लाई

1555. **श्री हरीशचन्द्र सिंह रावत :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय के समक्ष कोई ऐसा प्रस्ताव है कि उत्तर प्रदेश को केन्द्रीय क्षेत्र के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में स्थित सभी विद्युत् अधिष्ठापनाओं से बिजली दी जाए;

(ख) यदि हां, तो उत्तर प्रदेश को कितने मैगावाट बिजली सप्लाई की जाएगी ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) : (क) से (ग) राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम के—सिंगरौली सुपर ताप विद्युत् केन्द्र की 2000 मेगावाट की चरम क्षमता से विद्युत् का आवंटन निम्नानुसार है :—

	मेगावाट
दिल्ली . .	150
यू० पी० . .	850
हरियाणा . .	200
पंजाब . .	200
राजस्थान	300
अल्पकालिक आधार पर, अलग-अलग राज्यों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए केन्द्र के पास रही अनावंटित क्षमता	300
जोड़ .	2,000 मेगावाट